



**पतंजलि विश्वविद्यालय**

**University of Patanjali**

**बी.ए. ( व्याकरणम् )**

**2021-2022**

# बी.ए. ( व्याकरणम् )

## Program Educational Objectives (PEOs)

Kashika consists of the explanation of paniniya ashtadhyayi sutras. Here, the essence of vyakarana shashtra has been collected which was scattered elsewhere in various texts. Following are the objectives of teaching this scripture.

- **PEO 1** – To make sense of the sutras of ashtadhyayi understanding them through detailed discussions, their examples and derivation of different words.
- **PEO 2** – Inform the students about the language related principles and philosophical principles of Sanskrit grammar.
- **PEO 3** – Offer the students context and meaning oriented explanations of Katyayana's Vartikas.
- **PEO 4** – Expose the students to panini's 'ganapatha' and 'karikas'.
- **PEO 5** – Relay the principles decided by Patanjali in the 'Mahabhashya'.
- **PEO 6** – To produce a comprehensive understanding of the words of Sanskrit language.
- **PEO 7** – Help the students with the knowledge of various Sanskrit and Vedic texts so that they get an introduction to Vedic and sanskrit literature.

## Program Specific Outcomes (PSOs)

After completing of the program, the students will be able to

- **PSO 1** – Progress smoothly in the Sanskrit language understanding the principles of grammar and meanings of sutras their examples etc.
- **PSO 2** – Read and understand the entire Sanskrit literature internalising the knowledge of Sanskrit language.
- **PSO 3** – Understand the basic principles of Vedic texts such as Gita, Upanishads, Vedas etc.
- **PSO 4** – Effortlessly speak the Sanskrit language without allowing any imperfections related to the usage of words.

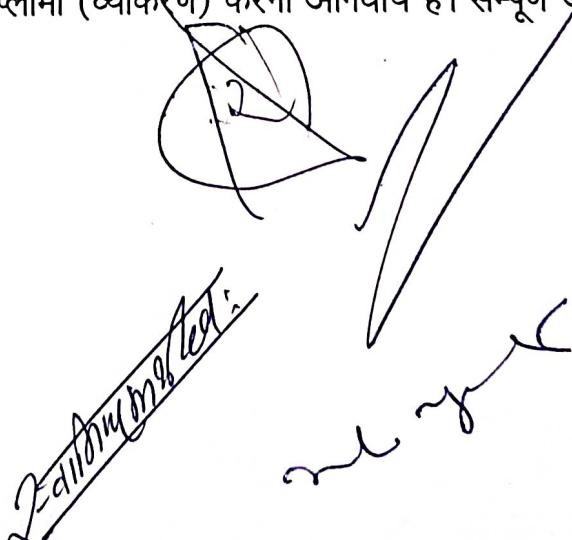
## बी. ए. (व्याकरण) कक्षायाः पाठ्यक्रमः

बी. ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य— इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्याकरण, लौकिक साहित्य एवं वैदिक साहित्य का गहन परिचय कराना है।

### सामान्यनियमः—

- बी. ए. (व्याकरण) त्रिवार्षिक पाठ्यक्रम है। बी. ए. प्रथम वर्ष, बी. ए. द्वितीय वर्ष, बी. ए. तृतीय वर्ष।
- प्रत्येक वर्ष में दो सत्र होंगे। अतः बी. ए. के पाठ्यक्रम में कुल ६ सत्र होंगे।
- प्रत्येक सत्र में ५ पत्र होंगे, अतः शास्त्री के पाठ्यक्रम में कुल ३० पत्र होंगे।
- प्रत्येक पत्र १०० अङ्क का होगा, इसमें ७० अंक बाह्य परीक्षा के व ३० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन के होंगे।
- आन्तरिक ३० अङ्कों में से १० अङ्क सत्र के मध्य ली जाने वाली लिखित परीक्षा के होंगे, १५ अङ्क शास्त्रस्मरण के होंगे व ५ अङ्क संस्कृत संभाषण व अनुशासन के होंगे।
- प्रत्येक सत्र की बाह्य परीक्षा का समय ३ घण्टे निर्धारित है।
- अध्ययन-अध्यापन एवं परीक्षा का माध्यम संस्कृत ही रहेगा।

★ विशेष— संस्कृत से अनभिज्ञ विद्यार्थियों के लिए शास्त्री से पूर्व एक वर्ष के सहायक पाठ्यक्रम का अध्ययन करना अथवा द्विवार्षिक डिप्लोमा (व्याकरण) करना अनिवार्य है। सम्पूर्ण ज्ञानकारी हेतु सहायक पाठ्यक्रम का अवलोकन करें।



**बी.ए. पाठ्यक्रमः( प्रथमसत्रम् )**

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-101	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-102	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-103	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-104	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-105	आङ्ग्लभाषा	70	30

**बी.ए. पाठ्यक्रमः( द्वितीयसत्रम् )**

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-201	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-202	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-203	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-204	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-205	आङ्ग्लभाषा	70	30

**बी.ए. पाठ्यक्रमः( तृतीयसत्रम् )**

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-301	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-302	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-303	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-304	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-305	आङ्ग्लभाषा	70	30

**बी.ए. पाठ्यक्रमः( चतुर्थसत्रम् )**

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-401	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-402	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-403	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-404	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-405	आङ्ग्लभाषा	70	30

**बी.ए. पाठ्यक्रमः( पञ्चसत्रम् )**

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-501	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-502	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-503	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-504	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-505	आङ्ग्लभाषा	70	30

**बी.ए. पाठ्यक्रमः( षष्ठसत्रम् )**

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-601	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-602	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-603	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-604	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-605	आङ्ग्लभाषा	70	30

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Paper - 1**

***samskr̥tavyākaraṇam (1)***

**Paper Code - BV-101**

### **Course Objectives-**

- laukika evam vaidika śabdom kā anuśāsana, pratyāhāra kā bodha, vyākaraṇa ke mahatva kā bodha karānā |
- samjñā sūtrem, paribhāṣā sūtrem aura sthānivad bhāva, udāttādi kā bodha karānā |
- aśiṣya prakaraṇa, ekaśeṣa prakaraṇa kā vidyārthī ko bodha pradāna karanā |

### **Course Outcomes-**

- pratyāhāra ke jñāna se vidyārthī pratyāhāra nirmita karane mem sakṣama hotā hai |
- guna, vṛddhi, ti, ghu ādi samjñā jānane se vidyārthī anya śāstrem mem tvarita gati prāpta karatā hai |
- sthānivat, kitvat, ghidvad ādi ke jñāna se vidyārthī kī buddhi kā sūkṣma rūpa se vikāsa hotā hai |

# बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

Code-BV 101

## प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (१)

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः - ३०

समयः- होरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (प्रत्याहारसूत्रसहितः प्रथमाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

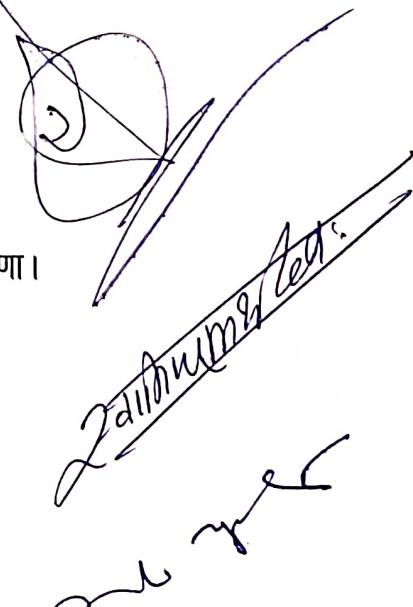
३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृतसंस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।



**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 101**

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०

समयः - होरात्रयम्

(व्याकरण- १)

**१. काशिकातः-**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्टेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्टेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसूषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 1**

**Paper - 2**

***sāṃskṛtavyākaraṇam (2)***

**Paper Code - BV-102**

### **Course Objectives-**

- dhātusamjñā, parasmaipada aura ātmanepada samjñā kā bodha karānā|
- nadī, ghi, kāraka ādi kā vidyārthī ko bodha karānā|
- avyayārtha kā bodha karānā|

### **Course Outcomes-**

- parasmaipada ātmanepada kā bodha hone se vidyārthī śāstrem̄ mem̄ unnata gati prāpta karatā hai|
- nadī, ghi, vipratīṣedha ādi ko jānane se buddhi kā sūkṣmīkaraṇa hotā hai|
- avyaya ko jānane se unake prayoga karane kī kuśalatā kā vikāsa hotā hai|

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (२)

Code-BV 102

पूर्णाङ्गः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (प्रथमाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ)-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१०
२. अव्यायार्थः -	२०
(क) शब्दार्थः	१०
(ख) वाक्यप्रयोगः	१०

### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

- प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।  
 २. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।  
 ३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

- प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृतसंस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

- प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

४. अव्यायार्थः— श्रीमत्स्वामिदयानन्दसरस्वतीकृतव्याख्यासहितः

- प्रकाशकः— वैदिकपुस्तकालयम्, अजमेरनगरम्, राजस्थानम्।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 102**

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०

समयः - होरात्रयम्

(व्याकरण- २)

**१. काशिकातः-**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्।          | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                       | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                   | १० |
| ४. प्रदत्तासु तिसूषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                     | १० |
| ५. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्दसिद्धिषु / शङ्कासु द्वयोः साधनम् / समाधानं। | १० |

**२. अव्यायार्थतः-**

- |  |    |
|--|----|
| १. विंशतेः शब्दानामर्थबोधनम्।                    | १० |
| २. दशानां शब्दानां प्रत्येकं वाक्यद्वये प्रयोगः। | १० |

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 1**

**Paper - 3**

***samskr̥tasāhityam***

**Paper Code - BV-103**

### **Course Objectives-**

- kauṭalīya arthaśāstra kā vidyārthī ko bodha karānā |
- dūta vākyam' ke mādhyama se nāndī, sūtradhāra aura śrīkrṣṇa ke śānti prastāva kā bodha karānā |
- kāvya dīpikā mem̄ nihita kāvya lakṣaṇa/kāvya svarūpa kā varṇana |
- chandom̄ kā bodha karānā |

### **Course Outcomes-**

- arthaśāstra ko jānane se vyakti arthaśāstra kā jñātā ho jātā hai |
  - dūtavākyam ke adhyayana se dūta kā ācaraṇa/vyavahāra/maryādā kā saralatā se bodha hotā hai |
- kāvyadīpikā adhyayana se kāvya śāstra mem̄ pragati hotī hai |
- chanda ke adhyayana se sāhitya mem̄ tvarita gati hotī hai |

**बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम् Code-BV 103**

**तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्**

पूर्णाङ्गः - १००  
 वाद्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (अर्थशास्त्रान्तर्गतं विनयाधिकरणम् व्यसनाधिकरणम्)-	१५
(क) गद्यसाहित्योद्भवपरिचयौ / गद्यकृतपरिचयः	०५
(ख) शब्दार्थः, शब्दालङ्कारः वाक्यान्वयः, अर्थालङ्कारः / व्यसनविषयकप्रश्नाः	१०
(२) नाटकम्- (भासविरचितं दूतवाक्यम्)	३०
(क) नाटकोद्भवः/ कविपरिचयः	१०
(ख) पात्रपरिचयः/ श्लोकव्याख्या	१०
(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः	१०
(३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा १-२)	२०
(क) काव्यशास्त्रोद्भवसामान्यपरिचयः	१०
(ख) काव्यप्रयोजनलक्षणे, शक्तिस्वरूपनिरूपणम्	१०
(४) पञ्च छन्दांसि-	५

छन्द- (अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवज्ञा, उपेन्द्रवज्ञ, उपजाति, वंशस्थ, मालिनी, शालिनी, शार्दूलविक्रीडित, पञ्चचालक, द्रुत-विलम्बित, दोधक, तोटक, भुजङ्गप्रयात, शिखरिणी)  
 म

**सहायकग्रन्थाः:-**

१. कौटलीय अर्थशास्त्र- उदयवीर शास्त्री (व्याख्याकार)

प्रकाशकः- मेहरचन्द लक्ष्मनदास पब्लिकेशंस नई दिल्ली।

२. भासनाटकचक्रम्- महाकविभासविरचितम्

प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

४. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभद्राचार्येण संगृहीता

५. वृत्तरत्नाकार-

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 1**

**Paper - 4**

***vaidikasāhityam***

**Paper Code - BV-104**

### **Course Objectives-**

- vedastha vibhinna sūktom kā vidyārthiyom ko bodha karānāl
- yoga kā svarūpa, kliṣṭākliṣṭa, abhyāsa vairāgya ādi kā bodha karānāl
- upaniṣad aura gītā ke mādhyama se vaidika vāghmaya kā paricaya karānāl

### **Course Outcomes-**

- vibhinna sūktom ko jānane se vedajñāna ke prati tvarita gati hotī hai
- kliṣṭākliṣṭa, abhyāsa-vairāgya, samprajñāta-asamprajñāta ādi ke adhyayana se jīvana ko unnata diśā milatī hai
- vaidika vāghmaya ke bodha hone se prācīna granthom ke prati lagāva utpanna hotā hai arthāt unake prati adhyayanaśīlatā badatī hai

# बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

Code-BV 104

## चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

	पूर्णाङ्गः:- १००
	वाञ्छमूल्याङ्कनाङ्गः:- ७०
	आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः:- ३०
	समयः:- होरात्रयम्
(१) वेदः— (ऋग्वेदः इन्द्रसूक्तम् २.१२, ज्ञानसूक्तम् १०.७१) —	१५
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	१०
 (२) दर्शनम्— (योगदर्शनम्— प्रथमद्वितीयपादौ)	२०
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	०५
(ग) समाधिसाधनविषयकप्रश्नाः	१०
 (३) उपनिषद्— (ईशोपनिषद्)	१५
(क) कण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
 (४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः— (गीता- अध्यायः ३ )	२०
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	१०

### सहायकग्रन्थाः—

- १. ऋग्वेदः— व्याख्याकारः डा० जियालाल कम्बोज  
प्रकाशकः— १. विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- २. योगदर्शनम्  
प्रकाशकः— दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।
- ३. ईशादि नौ उपनिषद्  
प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।
- ४. श्रीमद्भगवद्गीतामृत  
प्रकाशकः— दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

Code-BV 104

(वैदिकसाहित्यम्)

पूर्णाङ्गः - १००

वाह्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०

समयः - होरात्रयम्

वेदतः

१. उपर्युक्तसूक्तेषु स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः ।

०५

२. चतुर्णामन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् ।

१०

दर्शनतः

१. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि ।

०५

२. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्थं बोधनीयाः ।

०५

३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् ।

१०

उपनिषत्तः

१. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणां पूर्तिः करणीया ।

०५

२. पृष्ठेषु चतुर्षु द्वयोः विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् ।

१०

गीतातः

१. पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः करणीया ।

१०

२. पृष्ठानां पञ्चानां श्लोकानां पदच्छेदविभक्तिसमाप्ता लेखनीयाः ।

१०

# बी.ए. व्याकरणम्

## प्रथमसत्रम्

### पञ्चमपत्रम्- English Communication-I

**BV-105**

#### Programme Objectives

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

#### Course Specific Outcomes

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

## Semester – I

S.NO.	Story Name	English Literature	Page No.
1	A Grain as big as a hen's Egg	Prose	1-2
2	Atal Bihari Vajpayee	Prose	3-7
3	Dr. B.R. Ambedkar	Prose	8-9
4	For the greater God	Prose	10-12
5	Louis Braille	Prose	13-15
6	One and Quarter Kilo of Wheat	Prose	16-21
7	How Much Land does a man need	Prose	22-35
8	Mending Wall	Poetry	36

## B.A. Sanskrit Vyākaraṇam

Semester 1

Paper - 6

*vaikalpikapraśnapatraṇi*

Paper Code - BV-106

### Course Objectives-

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā |
- bhāratīya paramparāom, dharmaśāstrem evam bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthaśāstra evam rājanītiśāstra kā jñāna karānā |

### Course Outcomes-

- mānava mana ko samajhane mem sahāyatā milatī hai |
  - apanī paramparāom ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgṛta hotā hai |
- artha vijñāna aura rājanītika sthitiyom ko samajhane kā sāmarthyā baDA jātā hai |

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०

समयः - होरात्रयम्

### विषया: -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय-इतिहासश्च
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

### सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति ।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः ।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते । तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते ।

**B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 2**

**Paper - 1**

***samskr̥tavyākaraṇam (3)***

**Paper Code - BV -201**

**Course Objectives-**

- avyayībhāva, tatpuruṣa, dvigu, dvandva, bahuvrīhi samāsa kā jñāna |
- samāsa mem nirdiṣṭa padom kā prayoga niyama |

**Course Outcomes-**

- bhāṣā prayukta samāsānta padom ke bodha se artha bodha sugamatā se hotā hai |
  - samāsa hone se ekavibhakti, ekapada tathā ekasvara ho jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम्

Code-BV 201

### प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (३)

पूर्णाङ्गः - १००  
 वाञ्छमूल्याङ्गनाङ्गः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (द्वितीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) शब्दसिद्धिः	१०
(ङ) शङ्ख समाधानम्	१०
२. नामिकम्-	२०
(क) शब्दरूपलेखनम्।	१०
(ख) शब्दसिद्धिः।	१०

### सहायकग्रन्थाः—

१. काशिकावृत्तिः— श्री वामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, १९९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

४. नामिकम्— महर्षिदयानन्द सरस्वती

प्रकाशकः— वैदिक पुस्तकालयम्, अजमेरम्, राजस्थानम्।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 201**  
**(व्याकरण - ३)**

पूर्णाङ्गः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

<b>काशिकातः</b>	<b>५०</b>
१. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्।	१०
२. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।	१०
३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानाम्।	१०
४. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु द्वयोः शब्दसिद्धिः।	१०
५. प्रदत्तासु चतस्रेषु शङ्कासु द्वयोः समाधानम्।	१०

**नामिकतः -**

१. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णा शब्दानां रूपलेखनम्।	१०
२. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णा मुख्यसूत्रसहिता संक्षेपतः शब्दसिद्धिः।	१०

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 2**

**Paper - 2**

***sāṃskṛtavyākaraṇam (4)***

**Paper Code - BV-202**

### **Course Objectives-**

- kāraka vibhakti evam̄ upapada vibhaktiyom̄ kā bodhal
- samāsa mem̄ ekavad bhāva evam̄ lighaō bodhal
- ārdhadhātukaviṣayaka kāryom̄ kā jñāna l

### **Course Outcomes-**

- sāṃskṛtabhāṣā ke lekhana, sambhāṣaṇa evam̄ artha bodha mem̄ kuśalatā prāpta hogīl
- bhāṣā mem̄ prayukta tighanta evam̄ subanta padom̄ kā arthasahita bodhal
- svara viṣayaka jñāna mem̄ samartha hote haim̄l

बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम् Code-BV 202

## द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम्

(व्याकरण-४)

१. काशिकावृत्ति : (द्वितीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ) –	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) शब्दसिद्धिः	१०
(ङ) शङ्ख समाधानम्	१०
२. पारिभाषिक : –	२०

## **सहायकग्रन्थाः-**

## १. काशिकावत्ति:- श्री वामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी ।

### ३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

**प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकूल झज्जर हरयाणा।**

४. पारिभाषिकः - व्याख्याकारः - आचार्यः प्रद्युम्नः

प्रकाशकः— रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 202

### (व्याकरण - ४)

पूर्णद्वाः - १००  
 वाञ्छमूल्याङ्कनाङ्काः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः - ३०  
 समयः- होरात्रयम्

#### काशिकातः

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्। | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।              | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।          | १० |
| ४. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु द्वयोः शब्दसिद्धिः।            | १० |
| ५. प्रदत्तासु चतस्रसु शङ्कासु द्वयोः समाधानम्।               | १० |

#### पारिभाषिकतः

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठासु षट्सु परिभाषासु चतस्रः परिभाषाः अवतरणसहिताः व्याख्येयाः। | २० |
|--|----|

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 2**

**Paper - 3**

***samskr̥tasāhityam***

**Paper Code - BV-203**

### **Course Objectives-**

- kādambarīstha śukanāsopadeśa, rājyaśrī kā bodha karānā |
- bhīma-duryodhana kā yuddha aura śrīkrṣṇa-pāṇḍavom kī maṇṭraṇā kā bodha karānā |
- kāvyadhvani rasa kā saralatā se bodha karānā |
- āyurveda mem varṇita svasthavṛtta kā bodha karānā |

### **Course Outcomes-**

- rājyaśrī ke lābha aura usake mada se hone vālī hāniyom ko jānane se jīvana mem sajagatā ātī hai |
- bhīma-duryodhana ke yuddha ke adhyayana se rājanīti kā bodha hotā hai |
- kāvyāśāstra adhyayana se sāhityagata ruci mem vikāsa hotā hai |
- svasthavṛtta ke adhyayana se vidyārthiyo mem vyāvahārika kuśalatā kā vikāsa hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम् Code-BV 203

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्गः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (कादम्बरीतः शुकनासोपदेशः)- (क) कविपरिचयः (ख) गद्यत्रयां कादम्बर्याः स्थानम् / गद्यव्याख्यानम् (ग) कथासारः/ काव्यगतविशेषता: (२) नाटकम्- (भासविरचितं उरुभङ्गम्) (क) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः (ख) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या (ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः (३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ३) (क) काव्यध्वनिरसभेदाः (४) आयुर्वेदः- (चरकसंहिता सूत्रस्थानस्याष्टमोऽध्यायस्य स्वस्थवृत्तम्) (क) गद्यव्याख्या (ख) विषयगतप्रश्नाः	२० ०५ १० ०५ २० ०५ १० ०५ १५ १५ १५ १५ १०
--	--

#### सहायकग्रन्थाः-

१. शुकनासोपदेशः— व्याख्याकारः रामनरेश झा

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

२. भासनाटकचक्रम्— महाकविभासविरचितम्

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

३. काव्यदीपिका— विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

४. चरकसंहिता— महर्षिचरकप्रतिसंस्कृता

प्रकाशकः— राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, जनकपुरी, नई दिल्ली।

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 2**

**Paper - 4**

***vaidikasāhityam***

**Paper Code - BV-204**

### **Course Objectives-**

- vedastha vāgāmbhṛṇī aura nāsadīya sūkta kā bodha karānā |
- yogadarśanastha, vibhinna vibhūtiyom evam kaivalya kā bodha |
- upaniṣad aura gītā ādi dhārmika granthom kā bodha |

### **Course Outcomes-**

- vāgāmbhṛṇī aura nāsadīya sūkta ke adhyayana se vidyārthī prācīna jñāna paramparā ko aghaōīkṛta karatā hai |
- yogadarśana adhyayana se aṇimā, mahimā, paracittajñāna ādi vibhūti aura kaivalya ke prati ruci kā vikāsa hotā hai |
- kenopaniṣad ke adhyayana se bhagavatsattā kā anubhava hotā hai |
- Śrīmadbhagavadgītā ke adhyayana se vidyārthiyom mem viśuddha bhakti bhāva kā jāgaranā hotā hai |

**बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम् Code-BV 204**

**चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्**

पूर्णङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः:- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः:- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (ऋग्वेदः वागाम्भृणी १०.१२५,

भाववृत्तम्/नासदीयम् १०.१२९,- २०

(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम् ०५

(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् १०

(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम् ०५

(२) दर्शनम्- (योगदर्शनम्- तृतीयचतुर्थपादौ) १५

(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम् ०५

(ख) सूत्रार्थबोधनम् ०५

(ग) विषयात्मकप्रश्नाः ०५

(३) उपनिषद्- (केनोपनिषद्) २०

(क) कण्ठस्थीकरणम् १०

(ख) विषयात्मकप्रश्नाः १०

(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः- (गीता- अध्यायः १२) १५

(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम् ०५

(ख) पदपदार्थज्ञापनम् १०

### सहायकग्रन्थाः—

१. ऋग्वेदः— व्याख्याकारः डा० जियालाल कम्बोज

प्रकाशकः— १. विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

२. योगदर्शनम्

प्रकाशकः— दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।

३. ईशादि नौ उपनिषद्

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।

४. श्रीमद्भगवद्गीतामृत

प्रकाशकः— दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।

### Code-BV 204

#### प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

##### वेदतः

१. उपर्युक्तसूक्तेषु स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः।	०५
२. चतुर्णा मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्।	१०
३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि।	०५

##### दर्शनतः

१. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि।	०५
२. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्था बोधनीयाः।	०५
३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम्।	०५

##### उपनिषत्तः

१. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां मन्त्राणां पूर्तिः करणीया।	१०
२. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णा विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम्।	१०

##### गीतातः

१. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकानां पूर्तिः करणीया।	०५
२. पृष्ठानां पञ्चानां श्लोकानां पदच्छेदविभक्तिसमासा लेखनीयाः।	१०

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

### **Semester 2**

#### **Paper -5**

#### **English Communication – II**

**Code : BV-205**

#### **Objectives:**

- Communicate easily with and enhance the ability to understand native speakers
- Remove personal barriers and enhance confidence in a group setting and in work places
- Help translate L2 from L1 in a more efficient manner
  - (L1 is the mother tongue & L2 is the Official Language – here English)
- Enhance formal and business writing skills

#### **Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

### **Semester – II**

S.NO.	Story Name	English Literature	Page No.
1	The Wheel of Creation	Prose	1
2	Game of Tip Cat	Prose	2-6
3	If I Were You	Prose	7-11
4	The Missing Mail	Prose	12-16
5	Maharishi Patanjali	Prose	17-23
6	A Tiger in the house	Prose	24-26
7	Two Bullocks	Prose	27-32
8	Where the mind is without fear		

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 2**

**Paper - 6**

***vaikalpikapraśnapatraṇi***

**Paper Code - BV -206**

### **Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā |
- bhāratīya paramparāom, dharmaśāstrem evam bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthaśāstra evam rājanītiśāstra kā jñāna karānā |

### **Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane mem sahāyatā milatī hai |
- apanī paramparāom ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgṛta hotā hai |
- artha vijñāna aura rājanītika sthitiyom ko samajhane kā sāmarthyā baDA jātā hai

वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्गः - १००

वाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः

समयः - होरात्रयम्

विषयः -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय-इतिहासः।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 3**

**Paper - 1**

***samskr̥tavyākaraṇam (5)***

**Paper Code - BV -301**

### **Course Objectives-**

- pratyaya, kṛt, kṛtya, upapadādi samjñāoṁ kā bodha |
- dhātuoṁ se vihita kṛt, kṛtya pratyayom kā jñāna |

### **Course Outcomes-**

- bhāṣā mem̥ prayukta kṛdanta śabdom ke jñāna hone se bhāṣā mem̥ nipiṇa ho jātā hai |
- saṃskṛta mem̥ prayukta śabdom ke artha ko samajhane mem̥ saralatā ā jātī hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 301

### प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (५)

	पूर्णाङ्कः - १००
	बाद्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०
	आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०
	समयः - होरात्रयम्
१ . काशिकावृत्तिः (तृतीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ )-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः/ शङ्खसमाधानम्	१५

### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

- प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।  
 २. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।  
 ३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।



## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 301

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०

समयः - होरात्रयम्

(व्याकरण- ५)

### १. काशिकातः-

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोव्याख्यानम्।                     | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 3**

**Paper - 2**

***sāṃskṛtavyākaraṇam (6)***

**Paper Code - BV -302**

### **Course Objectives-**

- uṇādi kisa kāla meṁ hote haim, isakā jñāna karanā |
- dhātuom se vihita kṛt evam tighpratyayom ke kārakom kā bodhal |

### **Course Outcomes-**

- bhāṣā meṁ prayukta tighanta evam kṛdanta śabdom kā jñāna hotā hai |
- bhāṣā ke lekhana, sambhāṣaṇa evam adhyayana meṁ nipiṇyatā prāpta hotī hai |

# बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 302

## द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (६)

	पूर्णाङ्कः - १००
	वाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः:- ७०
	आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः:- ३
	समयः- होरात्रयम्
१ . काशिकावृत्तिः (तृतीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ )-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) शब्दसिद्धिः	१०
(ङ) शङ्खसमाधानम्	१०
२ . उणादिकोषः :-	२०
(क) अर्थोदाहरणे	१०
(ख) शब्दव्युत्पत्तयः	१०

### सहायकग्रन्थाः-

१ . काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

- प्रकाशकः— १ . रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा ।  
 २ . श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९ ।  
 ३ . तारा बुक एजेंसी, वाराणसी ।

२ . वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

- प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी ।

३ . व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

- प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा ।

४ . उणादिकोषः — श्रीमत्स्वामिदयानन्दसरस्वतीकृतव्याख्यासहितः ।

- प्रकाशकः— रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा ।

# प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

Code-BV 302

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०

समयः - होरात्रयम्

(व्याकरण- ६)

## १. काशिकातः-

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्। | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।              | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।          | १० |
| ४. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु द्वयोः सिद्धिः।                | १० |
| ५. प्रदत्तेषु चतस्र्षु शङ्कासु द्वयोः समाधानं।               | १० |

## २. उणादिकोषतः

- |   |    |
|---|----|
| ७. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणाम् अर्थोदाहरणानि। | १० |
| ८. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां शब्दानां सिद्धयः।   | १० |

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 3**

**Paper - 3**

***samskr̥tasāhityam***

**Paper Code - BV -303**

### **Course Objectives-**

- saundarānanda ke mādhyama se vairāgya kā bodha karānā |
- śivarāja vijaya ke mādhyama se chatrapati śivājī kī aitihāsika vijaya kā bodha karānā |
- kāvyadīpikā kā bodha karānā |

### **Course Outcomes-**

- saundarānanda ke adhyayana se vidyārthī vairāgya se bhalī-bhāṁti paricita hotā hai |
- śivarāja vijaya ke adhyayana se vidyārthī hamāre apane itihāsa ko samyag jñāna pātā hai |
- kāvyaśāstra adhyayana se vidyārthī kī śāstra, sāhityagata ruci kā vikāsa hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 303

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्गः:- १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः:- ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः:- ३०  
 समयः:- होरात्रयम्

(१) सौन्दरानन्दम् चतुर्दशः सर्गः (२१-५२ श्लोकाः)	२०
(क) पदार्थः, अन्वयार्थः / छन्दः, अलङ्कारः, रसः, व्यङ्ग्यार्थः	१०
(ख) व्याकरणात्मकप्रश्नः	१०
(कारकः/ समासः/ विभक्तिः/अव्ययम्/ शब्दव्युत्पत्तिः)	१०
(३) ऐतिहासिककाव्यम्- (शिवराजविजयम् प्रथमविरामस्य प्रथमो निश्वासः)	२५
(क) गद्यकारपरिचयः / गद्यव्याख्या	१०
(ख) काव्यसौन्दर्यम्	१०
(ग) निःश्वाससारः	०५
(४) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ४)	२५
(क) विषयगतप्रश्नाः	२५

### सहायकग्रन्थाः-

१. रामायणम्- (सौन्दरानन्दम् चतुर्दशः सर्गः )

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।

२. शिवराजविजयम्— महाकविः श्रीमद्भिकादत्तव्यासप्रणीतम्

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

३. काव्यदीपिका— विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 3**

**Paper - 4**

***vaidikasāhityam***

**Paper Code - BV -304**

### **Course Objectives-**

- *yajurveda mem varṇita 'puruṣa sūkta' kā bodha karānā |*
- *sāṃkhyadarśanastha padārtha nirupaṇa, jīvana cakra ādi kā bodha karānā |*
- *upaniṣad aura gītā ke mādhyama se prācīna evam vaijñānika dhārmika granthom kā bodha karānā |*

### **Course Outcomes-**

- '*puruṣa sūkta*' ke adhyayana se vyakti ke virāṭ vyaktitva kā bodha hotā hai |
- *sāṃkhyadarśana* ke adhyayana se srṣṭicakra aura īśvarīya tatva ke padārtha bodha se jīvana ko naī diśā prāpta hotī hai |
- upaniṣad aura gītā ādi adhyayana se prācīna dhārmika granthom kā saralatā se jñāna hotā hai |

**बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 304**

**चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्**

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः:- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः:- ३०

समय:- होरात्रयम्

(१) वेदः- (यजुर्वेदः अध्यायः ३१)	१५
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	०५
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	०५
(२) दर्शनम्- सांख्यदर्शनम् (प्रथमोध्यायः)	२०
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	०५
(ग) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(३) उपनिषद्- (कठोपनिषद्)	२०
(क) कण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-	
(गीता- अध्यायः- १५ )	१५
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	१०

### सहायकग्रन्थाः—

१. यजुर्वेदः— व्याख्याकारः महर्षि दयानन्द सरस्वती  
प्रकाशकः— १. वैदिक पुस्तकालय, अजमेर राजस्थान।
२. सांख्यदर्शनम्  
प्रकाशकः— आर्ष शोध संस्थान, आलियाबाद, आन्ध्रप्रदेश।
३. ईशादि नौ उपनिषद्  
प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।
४. श्रीमद्भगवद्गीतामृत  
प्रकाशक : — दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट, पतंजलि योगपीठ।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 304**

(वैदिक साहित्यम्)

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः - ३०

समयः - होरात्रयम्

**वेदतः -**

- |  |    |
|--|----|
| १. उपर्युक्तसूक्तेषु स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः ।        | ०५ |
| २. द्वयोर्मन्त्रयोः शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् ।        | ०५ |
| ३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि । | ०५ |

**सांख्यदर्शनतः -**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठात् सूत्रादये पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि । | ०५ |
| २. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्थाः बोधनीयाः । | ०५ |
| ३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् ।         | १० |

**उपनिषत्तः -**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां मन्त्राणां पूर्तिः ।          | १० |
| २. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णा विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् । | १० |

**गीतातः -**

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः ।                      | ०५ |
| २. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकानां पदच्छेदविभक्तिसमाप्ता लेखनीयाः । | १० |

**बी.ए. ऑनर्स-संस्कृतव्याकरणम्**

**तृतीयसत्रम्**

**पञ्चमपत्रम्- English Communication-III**

**BV-305**

### **Programme Objectives**

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

### **Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
  - Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
  - Develop the confidence to speak in public
  - Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

## **Semester – III**

<b>S.NO.</b>	<b>Story Name</b>	<b>English Literature</b>	<b>Page No.</b>
1	The Coffee House of Surat	Prose	11-14
2	Salvation Sadgati	Prose	15-18
3	The Little Orphan	Prose	19-21
4	Walt Disney	Prose	22-24
5	Night of the Scorpion	Poetry	25-26
6	Maharishi Panini	Prose	27
7	Brahma (Poetry)	Poetry	28

**B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 3**

**Paper - 6**

***vaikalpikapraśnapatram manovijñānam***

**Paper Code - BV -306**

**Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā|
- bhāratīya paramparāom, dharmaśāstrem evam bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā|
- arthaśāstra evam rājanītiśāstra kā jñāna karānā|

**Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane mem sahāyatā milatī hai|
- apanī paramparāom ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgr̥ta hotā hai|
- artha vijñāna aura rājanaitika sthitiyom ko samajhane kā sāmarthya baDA jātā hai|

## बी. ए.पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 306

### वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्गः - १००

बाद्यमूल्याङ्कनाङ्गः:- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः:- ३०

समयः- होरात्रयम्

#### विषया: -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

#### सामान्यनिर्देशाः -

१. अन्न षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्तयते।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 4**

**Paper - 1**

***sāṃskṛtavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -401**

### **Course Objectives-**

- svādi strīpratyaya va taddhita pratyayom kā bodhal
- taddhita ke adhikāra mem apatyārtha, cāturarthika, śaiśikārthika ādi anya pratyayom kā bodhal

### **Course Outcomes-**

- taddhita pratyaya va unakī prakṛti ke jñāna mem samartha hote haiṁ |
- taddhita ke adhikāra mem apatyārtha, cāturarthikādi pratyayom ke jñāna mem samartha hote haiṁ |
- strī pratyayom ke jñāna mem samartha hote haiṁ |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 401

### प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (७)

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः -

समयः - होरात्रयम्

#### १. काशिकावृत्तिः (चतुर्थोऽध्यायः) -

(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः/ शङ्कसमाधानम्	१५

#### सहायकग्रन्थाः -

##### १. काशिकावृत्तिः - श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः - १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

##### २. वार्तिकप्रकाशः - आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः - चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

##### ३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः - पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः - हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 401**

पूर्णाङ्कः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

**१. काशिकातः-**

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।     | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                    | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसूषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                  | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कसु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

**B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 4**

**Paper - 2**

***sāṃskṛtavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -402**

**Course Objectives-**

- arhati, hitārtha, matubādi arthom̄ mem̄ vihita taddhita pratyayom̄ kā bodhal
- taddhitārtha avyayaśabdom̄ kā jñāna l
- samāsānta pratyayom̄ kā bodha l

**Course Outcomes-**

- bhāṣā mem̄ prayukta taddhitārtha śabdom̄ kā sampūrṇatā bodhal
- bhāṣāviṣayaka jñāna mem̄ vṛddhi l

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 402

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (८)

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः:- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः:- ३०

समयः- होरात्रयम्

१ . काशिकावृत्तिः (पञ्चमोऽध्यायः)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

### सहायकग्रन्थाः-

१ . काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

- प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।
- २. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।
- ३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२ . वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३ . व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 402

(व्याकरण- ८)

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः- ३०

समयः- होरात्रयम्

### १. काशिकातः-

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वर्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                  | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिस्रेषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                 | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

# **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 4**

**Paper - 3**

***samskr̥tasāhityam***

**Paper Code - BV -403**

## **Course Objectives-**

- kathā ke mādhyama se adhyātma kā bodha |
- Śakuntalā va duṣyanta kī kathā kā jñāna |
- kāvya ke doṣom̄ va guṇom̄ ke bhedom̄ va svarūpa kā bodha |

## **Course Outcomes-**

- rājakumārī kathā se vairāgya viśayaka jñāna mem̄ vṛddhi ho jātī hai |
- abhijñānaśākuntalam ke sāra ko jānane va batāne mem̄ samartha hote hai |
- kāvya ke doṣom̄ va guṇom̄ ke bhedom̄, svarūpa ko śloka sahitā jānane se kāvya racanā ke jñāna mem̄ vṛddhi hotī hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 403

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्गः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः:- ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः:- ३०  
 समयः- होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (राजकुमारीकथा १-४० श्लोकाः)-	२०
(क) शब्दार्थः, वाक्यान्वयः / काव्यसौन्दर्यम्/अलङ्कारः	१०
(ख) कथासारः / नवीनकथालेखनम्	१०
(२) नाटकम्- (अभिज्ञानशाकुन्तलम्- चतुर्थाङ्गः)	२५
(क) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या	१०
(ख) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः	१०
(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः	०५
(३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ५,६)	२५
(क) विषयगतप्रश्नाः	२५

### सहायकग्रन्थाः-

१. राजकुमारीकथा – संपादकः- प्रो० माईकल हान्स

प्रकाशकः- फिलिप्स यूनिवर्सिटि, जर्मनी।

२. अभिज्ञानशाकुन्तलम्

प्रकाशकः- १. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, जनकपुरी, नई दिल्ली।

२. व्याख्याकारः बद्रीनाथ शुक्ल- चौखम्बा प्रकाशन।

३. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

**B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 4**

**Paper - 4**

***Vaidikasāhityam***

**Paper Code - BV -404**

**Course Objectives-**

- vaidika mantreṇ kā smaraṇa unake śabdārthom kā evam ṛṣi chanda ādi kā jñāna karānā |
- sāṃkhyadarśana ke sūtrem kā smaraṇa evam śabdārtha kā bodha karānā |
- upaniṣad evam manusmṛti ke mantreṇ va ślokom kā smaraṇa evam jñāna pradāna karanā |

**Course Outcomes-**

- vaidika jñāna ko samajhane se usake andara apane prācīna jñāna ke prati ādara evam aura gaharāī se samajhane kī ruci utpanna hotī hai |
- sāṃkhya, upaniṣad ke ādhyātmika jñāna evam manusmṛti se vyavahārika bodha prāpta karake jīvana unnata banātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 404

### चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (यजुर्वेद- ३२ अध्यायः)	२०
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	१०
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	०५
(२) दर्शनम्- (सांख्यदर्शनम्- चतुर्थोऽध्यायः)	१५
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	०५
(ग) विषयात्मकप्रश्नाः	०५
(३) उपनिषद्- (मुण्डकोपनिषद्)	२०
(क) कण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-	
(मनुस्मृतिः अध्यायः २, आदितःपञ्चाशत् श्लोकाः)	१५
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	०५

### सहायकग्रन्थाः—

१. यजुर्वेदः— व्याख्याकारः महर्षि दयानन्द सरस्वती

प्रकाशकः— वैदिक पुस्तकालय, अजमेर राजस्थान।

२. सांख्यदर्शनम्

प्रकाशकः— आर्ष शोध संस्थान, आलियाबाद, आन्ध्रप्रदेश।

३. ईशादि नौ उपनिषद्

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।

४ मनुस्मृतिः

प्रकाशकः— आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट-४५५, खारी बावली, दिल्ली।

### प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 404

(वैदिक साहित्यम्)

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः- ३०

समयः- होरात्रयम्

वेदतः:

१. उपर्युक्ताध्याये स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः। ०५

२. चतुर्णा मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्। १०

३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि। ०५

सांख्यदर्शनतः:

१. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि। ०५

२. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्थाः बोधनीयाः। ०५

३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम्। ०५

उपनिषत्तः:

१. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां / अनुच्छेदानां पूर्तिः। १०

२. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णा विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम्। १०

मनुस्मृतिः:

१. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः। १०

२. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः पदच्छेदविभक्तिसमाप्ता लेखनीयाः। ०५

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 4**

**Paper - 4**

***English Communication - IV***

**Paper Code - BV -405**

### **Programme Objectives**

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

### **Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

## **Semester – IV**

<b>S.NO.</b>	<b>Story Name</b>	<b>English Literature</b>	<b>Page No.</b>
1	Road not Taken	Poetry	1
2	God sees the Truth but Waits	Prose	2-9
3	Bharata Meets Rama, The Brothers Meet	Prose	10-14
4	Netaji Subhas Chandra Bose	-	15-18
5	Maharishi Sushrut	Prose	29-35
6	Subedar Yogendra	-	
7	The Necklace	Prose	
8	Mustafa kamaal	-	

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 4**

**Paper - 6**

***manovijñānam***

**Paper Code - BV -406**

### **Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā |
- bhāratīya paramparāom, dharmaśāstrem evam bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthaśāstra evam rājanītiśāstra kā jñāna karānā |

### **Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane mem sahāyatā milatī hai |
- apanī paramparāom ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgṛta hotā hai |
- artha vijñāna aura rājanaitika sthitiyom ko samajhane kā sāmarthyā baDA jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 406

### वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०

समयः - होरात्रयम्

#### विषया: -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

#### सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 5**

**Paper - 1**

***sāṃskṛtavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -501**

### **Course Objectives-**

- dhātu ko dvitva, samprasāraṇādi kāryom kā bodha |
- sandhiyom kā višeṣa bodha |
- uttarapada ke rahate alug va anya kāryom kā bodha |

### **Course Outcomes-**

- dvitva aura samprasāraṇā ākārādeśa, ādi ke jñāna se siddhi mem višeṣa yogyatā ātī hai |
- sandhiyom ke jñāna se anya pustakom ke paṭhana ke samaya saralatā va sahajatā ātī hai |  
śabdom ke svara nirdeśa mem pāramgata hote haim |

**बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 501**

**प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (९)**

पूर्णद्वाषः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः:- ७  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः  
समयः:- दोरात्रयम्

(१) काशिकावृत्तिः (षष्ठाऽध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः/ शङ्कासमाधानम्	१०
(२) फिट्सूत्राणि	२०
(क) सूत्रपाठकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) अर्थोदाहरणे	१०
(ग) स्वरज्ञापनम्	०५

**सहायकग्रन्थाः-**

१. काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

- प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।  
 २. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९९  
 ३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

४. फिट्सूत्रम्— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 501**  
**(खण्ड - १)**

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०  
समयः - होरात्रयम्

**काशिकातः**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                   | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।               | १० |
| ४. प्रदत्तासु तिसूषु कारिकासु द्वयोव्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु / शङ्कासु द्वयोः साधनम् / समाधानम्। | १० |

**फिट्सूत्रतः**

- |  |    |
|--|----|
| ७. पृष्टात् सूत्रादग्रे दशानां सूत्राणां लेखनम्।     | ०५ |
| ८. पृष्टानां पञ्चसूत्राणाम् अर्थोदाहरणानि।           | १० |
| ९. पृष्टानां पञ्चानां शब्दानां ससूत्रं स्वरज्ञापनम्। | ०५ |

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 5**

**Paper - 2**

***samskrityavayākaraṇam***

**Paper Code - BV -502**

### **Course Objectives-**

- uttarapada ke adhikāra mem nirdiṣṭa kāryom kā jñāna l
- amgasamjñā mem nirdiṣṭa dīrgha, asiddhavat, ārdhadhātuka tathā bhasamjñā sambandhita kāryom kā jñāna l

### **Course Outcomes-**

- samskṛta bhāṣā mem prayukta hone vāle subanta evam tighanta padom kā arthatasahita bodha karane mem saralatā rahatī hai l
- śabdānuśāsana karane mem hone vāle kāryom kā bodha hotā hai l

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 502

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (१०)

पूर्णाङ्गः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

(१) काशिकावृत्तिः (षष्ठाऽध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

### सहायकग्रन्था:-

१. काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

- प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।  
 २. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।  
 ३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

- प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

- प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 502

(व्याकरण- १०)

**काशिकातः—**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोव्याख्यानम्।                     | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

पूर्णाङ्काः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः - ३०

समयः- होरात्रयम्

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 3**

*samskr̥tasāhityam*

**Paper Code - BV -503**

### **Course Objectives-**

- gadyātmaka kāvyom ko samajhane evam unake saundarya ko anubhava karane kī sāmarthyā pradāna karanā |
- kāvya ke abhinna amga alamkāra ādi kā paricaya pradāna karanā |

### **Course Outcomes-**

- gadyātmaka kāvyom evam nāṭakom ke adhyayana se bhāṣāgata sūkṣmatā evam kāvyom ko samajhane mem samartha ho jātā hai |
- alamkārādi ke paricaya se padyakāvya ādi mem prayukta alamkāreām ko samajha kara ānanda kā anubhava karatā haiai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 503

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्गः:- १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः:- ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः:- ३०  
 समयः:- होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (दशकुमारचरिततः विश्रुतचरितम्)-	२५
(क) कविपरिचयः, चरितसारः:	१०
(ख) गद्यस्य सरलार्थः:	१०
(ग) काव्यगतसौन्दर्यम्	०५
(२) नाटकम्- (भासविरचितं बालचरितम्)	२०
(क) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या	१०
(ख) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः	०५
(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः:	०५
(३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ७,८)	२५
(क) विषयगतप्रश्नाः	२५

### सहायकग्रन्थाः-

#### १. विश्रुतचरितम्

प्रकाशकः— चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी।

#### २. भासनाटकचक्रम्

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

#### ३. काव्यदीपिका— विद्यारलकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 4**

***vaidikasāhityam***

**Paper Code - BV -504**

### **Course Objectives-**

- brahmaśāstra ke viśaya kā bodha |
- tarkasaṃgraha kā saṃkṣipta bodha |
- praśnoṭpaniṣad mem varṇita praśnom kā jñāna |

### **Course Outcomes-**

- veda ke mantrē kā kaṇṭhasthīkaraṇa karake artha-pūrvaka batāne mem samartha hote haiḥ |
- tarkasaṃgraha se vaiśeṣika darśana kā prārambhika jñāna ho jātā hai |
- upaniṣad ke mantrē ke kaṇṭhasthīkaraṇa va unake artha bodha mem samartha hote haiḥ |
- anusmṛti ke śloka kī vyākhyā mem samartha hote haiḥ |

**बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 504**

**चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्**

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्गः:- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः:- ३०

समयः- होरात्रयम्

२०

(१) वेदः- (अथर्ववेदः ब्रह्मचर्यसूक्तम्)

(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्

०५

(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दरथ्यबोधनम्

१०

(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्

०५

(२) दर्शनम्- (तर्कसंग्रहः)

१५

(क) विषयात्मकप्रश्नाः

१५

(३) उपनिषद्- (प्रश्नोपनिषद्)

२०

(क) कण्ठस्थीकरणम्

१०

(ख) विषयात्मकप्रश्नाः

१०

(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-

१५

(मनुस्मृतिः- अध्याय - १२)

(क) श्लोकपूर्तिः

१०

(ख) पदपदार्थज्ञापनम्

०५

### सहायकग्रन्थाः—

१. अथर्ववेदः— व्याख्याकारः डा० विश्वनाथ वेदालङ्घार

प्रकाशकः— रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. तर्कसंग्रहः—

प्रकाशकः— चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

३. ईशादि नौ उपनिषद्

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।

४ मनुस्मृतिः

प्रकाशकः— आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट-४५५, खारी बावली, दिल्ली।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 504 पूर्णाङ्काः - १००**

**(वैदिकसाहित्यम्)**

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः - ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः - ३०  
समयः - होरात्रयम्

**वेदतः**

- |  |    |
|--|----|
| १. उपर्युक्तसूक्तयोः स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः ।        | ०५ |
| २. चतुर्णा मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् ।      | १० |
| ३. पृष्टानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि । | ०५ |

**तर्कसंग्रहतः**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्टात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि । | ०५ |
| २. पृष्टानां पञ्चानां सूत्राणामर्थाः बोधनीयाः ।   | ०५ |
| ३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् ।           | ०५ |

**उपनिषत्तः**

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां / अनुच्छेदानां पूर्तिः । | १० |
| २. पृष्टेषु पञ्चसु चतुर्णा विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् ।      | १० |

**मनुस्मृतिः**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः ।                     | १० |
| २. पृष्टेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः पदच्छेदविभक्तिसमाप्ता लेखनीयाः । | ०५ |

**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 5**

**English Communication - V**

**Paper Code - BV -505**

**Programme Objectives**

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

**Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

**1- Practice of Speaking English**

**2- Literature**

<b>S.NO.</b>	<b>Story Name</b>	<b>Author Name</b>
1	My Mother	A.P.J. Abdul Kalam
2	PP Acharya Balkrishan ji	--
3	The Doctors Word	R.K. Narayan
4	The Spell	Munshi Prem Chand
5	Helen Keller	--
6	Major Dhyan Chand	--
7	Aryabhatt	--
8	The Last Lesson	Alphonse Daudet

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 5**

**Paper - 5**

***manovijñānam***

**Paper Code - BV -506**

### **Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanāl
- bhāratīya paramparāom, dharmaśāstrem evam bhārata ke itihāsa kā jñāna karānāl
- arthaśāstra evam rājanītiśāstra kā jñāna karānāl

### **Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane mem sahāyatā milatī hai
- apanī paramparāom ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgṛta hotā hai
- artha vijñāna aura rājanaitika sthitiyom ko samajhane kā sāmarthyā baDA jātā hai

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम्

### वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः - ३०

समयः - होरात्रयम्

#### विषया: -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

#### सामान्यनिर्देशाः -

१. अन्न षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 1**

***samskr̥tavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -601**

### **Course Objectives-**

- sup tathā tigh pratyayom āgamom evam ādeśom kā bodhal
- ārdhadhātuka pratyayom ko iṭ vidhi niṣadha tathā sarvanāmasamjñaka kāryom kā jñāna l
- dhātu evam abhyāsa sambandhi kāryom kā jñāna l

### **Course Outcomes-**

- samskṛta bhāṣā mem prayukta hone vāle subanta evam tighantapadom kā saralatā se bodha ho jātā hai l
- bhāṣā mem prayukta śabdom ke vyākaraṇa sambandhi kāryom kā jñāna ho jātā hai l

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 601

### प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (११)

पूर्णद्विः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३  
 समयः - होरात्रयम्

#### (१) काशिकावृत्तिः (सप्तमोऽध्यायः)-

(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

#### सहायकग्रन्थाः-

##### १. काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

##### २. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

##### ३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर, हरयाणा।



## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 601

(व्याकरण- ११)

पूर्णद्वाः:- १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः:- ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः:-  
समयः:- होरात्रयम्

### १. काशिकातः—

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

## **B.A. Sanskrit *Vyākaraṇam***

**Semester 6**

**Paper - 2**

***sāṃskṛtavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -602**

### **Course Objectives-**

- padasambandhi dvitva pada se uttara ādeśa evam svaraviṣayaka kāryom kā jñāna l
- pūrvatrasiddha prakaraṇa mem nirdiṣṭa evam saṃhitā viṣayaka mūrdhanya, ḗatva ityādi vividha kāryom kā jñāna l

### **Course Outcomes-**

- bhāṣā mem prayukta śabdom ke ādeśādi kāryom kā jñāna ho jātā hai l
- tighanta evam subanta padom ḗatva aura ḗatva kā sampūrṇatā bodha ho jātā hai l

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 602

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (१२)

पूर्णाङ्गः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

#### १. काशिकावृत्तिः (अष्टमोऽध्यायः) -

(क) सूत्रव्याख्यानम्	५०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१०

#### २. लिङ्गानुशासनम्-

(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	२०
(ख) ससूत्रलिङ्गापनम्	१०

#### सहायकग्रन्थाः-

##### १. काशिकावृत्तिः— श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

2. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

##### २. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

##### ३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

##### ४. लिङ्गानुशासनम्:— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 602

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०  
समयः - होरात्रयम्

### १. काशिकातः-

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्।         | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                      | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                  | १० |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोव्याख्यानम्।                      | १० |
| ५. प्रदत्तेषु चतर्षु शब्दसिद्धिषु / शङ्कासु द्वयोः साधनम् / समाधानं। | १० |

### २. लिङ्गानुशासनतः -

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोरग्रे दशसूत्रलेखनम्।   | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां ससूत्रलिङ्गशापनम्। | १० |

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 3**

***samskr̥tasāhityam***

**Paper Code - BV -603**

### **Course Objectives-**

- kathā ke mādhyama se adhyātma kā bodha |
- rāma ke caritra va śloka ke artha kā bodha |
- śikhāloka ke ślokom kā artha sahita bodha |

### **Course Outcomes-**

- adhyātma bodha ke sātha ślokapūrvaka artha mem paṭu ho jātā hai |
- rāmacarita ke ślokapūrvaka artha mem pravīnatā evam unhem jīvana mem dhāraṇa karane ke lie pravṛtta hotā hai |
- śikhāloka kā smaraṇa va artha bodha ho jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 603

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्गः - १००  
 बाह्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०  
 आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०  
 समयः - होरात्रयम्

#### (१) गद्यम्-

राजकुमारी कथा— (४०-८०) २०

(क) शब्दर्थः, काव्यसौन्दर्यम्, वाक्यान्वयः/अलंकारः १०

(ख) कथासारः/नवीनकथालेखनम् १०

(२) नाटकम्— (उत्तरामचरितम् १, २ अंक) २५

(क) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या १०

(ख) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः १०

(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः ०५

(४) काव्यशास्त्रम्— (काव्यदीपिका अष्टमशिखालोकः) २५

(क) विषयगतप्रश्नाः २५

#### सहायकग्रन्थाः-

१. राजकुमारी कथा – संपादकः – प्रो० माईकल हार्स

प्रकाशकः— फिलिप्स यूनिवर्सिटि, जर्मनी।

२. उत्तरामचरितम्— श्रीभवभूतिप्रणीतम्

प्रकाशकः— रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद।

३. काव्यदीपिका— विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः— मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 4**

***vaidikasāhityam***

**Paper Code - BV -604**

### **Course Objectives-**

- adhyāya mem varṇita dharma kā bodha |
- pramāṇaprameyādi kā bodha |
- prakṛti kī prārambhika avasthā kā bodha |
- manusmṛti ke ślokom̄ ke artha va viṣaya kā bodha |

### **Course Outcomes-**

- veda mantreṁ kā kaṇṭhasthikaraṇa va arthapūrvaka bodha |
- pramāṇādi kā bhinna-bhinna jñāna |
- mantreṁ kā kaṇṭhasthikaraṇa va unakā arthapūrvaka jñāna |
- manusmṛti ke ślokom̄ ke arthapūrvaka jñāna mem samartha hote hai |

**बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 604**

**चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्**

(१) वेदः- (यजुर्वेदः - ३६)

पूर्णाङ्गः - १००  
बाह्यमूल्याङ्गनाङ्गः - ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्गनाङ्गः - ३०  
समयः- होरात्रयम् २०

(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम् ०५

(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् १०

(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम् ०५

(२) दर्शनम्- (न्यायदर्शनम्, प्रथमोध्यायः प्रथमपादः) २०

(क) कण्ठस्थीकरणम् ०५

(ख) सूत्रार्थबोधनम् १०

(ग) विषयात्मकप्रश्नाः ०५

(३) उपनिषद्- (ऐतरेयोपनिषद्) १५

(क) कण्ठस्थीकरणम् ०५

(ख) विषयात्मकप्रश्नाः १०

(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-

मनुस्मृतिः - (अध्याय- ६, आदितः पञ्चाशत् श्लोकाः) १५

(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम् १०

(ख) पदपदार्थज्ञापनम् ०५

### सहायकग्रन्थाः—

१. यजुर्वेदः - व्याख्याकारः महर्षिदयानन्द सरस्वती

प्रकाशकः— वैदिक पुस्तकालय, अजमेर, राजस्थान।

२. न्यायदर्शनम्—

प्रकाशकः— चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

३. ऐतरेयोपनिषद्

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।

४ मनुस्मृतिः —

प्रकाशकः— आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट-४५५, खारी बावली, दिल्ली।

### प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 604

(वैदिकसाहित्यम्)

पूर्णाङ्गः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः:- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः:- ३०

समयः- होरात्रयम्

#### वेदतः

- |   |    |
|---|----|
| १. उपर्युक्तसूक्तयोः स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः।        | ०५ |
| २. चतुर्णा मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्।      | १० |
| ३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि। | ०५ |

#### न्यायदर्शनम्

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि। | ०५ |
| २. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्था बोधनीयाः।    | १० |
| ३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम्।           | ०५ |

#### उपनिषत्तः

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः / अनुच्छेदयोः पूर्तिः। | ०५ |
| २. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णा विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम्।  | १० |

#### मनुस्मृतिः

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः।                     | १० |
| २. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः पदच्छेदविभक्तिसमाप्ता लेखनीयाः। | ०५ |

**बी.ए. ऑनर्स-संस्कृतव्याकरणम्**

**षष्ठसत्रम्**

**पञ्चमपत्रम्- English Communication-VI**

**BV-605**

**Programme Objectives**

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

**Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

1- Practice of Speaking English

2- Literature

S.NO.	Story Name	Author Name
1	The Solitary Reaper	William Wordsworth
2	Mercy (Poem)	William Shakespeare
3	Sardar Ballabh-Bhai Patel	--
4	The Last Leaf	O. Henry
5	P.P.Swami RamDev Ji	--
6	Swami Dayanand Saraswati	--
7	The Exemplary Characters of Mahabharat	--
8	The Exemplary Characters of Ramayan	--

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 6**

***manovijñānam***

**Paper Code - BV -606**

### **Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā|
- bhāratīya paramparāom, dharmaśāstrem evam bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā|
- arthaśāstra evam rājanītiśāstra kā jñāna karānā|

### **Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane mem sahāyatā milatī hai|
- apanī paramparāom ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgrta hotā hai|
- artha vijñāna aura rājanaitika sthitiyom ko samajhane kā sāmarthya bada jātā hai|

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम्

### वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्गः - १००

वाद्यमूल्याङ्कनाङ्गः - ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्गः - ३०

समयः - होरात्रयम्

#### विषया: -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

#### सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

## बी. ए. पाठ्यक्रमः

(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

।।प्रथमसत्रम् ।।

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्का आहत्य १५० भविष्यन्ति ।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसंभाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति ॥

क्र.सं.	विषया:	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम् / संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषया:	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निमाङ्कितरूपेण वर्तते—

क्र.सं.	विषया:	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	योगदर्शनम्	२५
३.	ईशोपनिषद्	१५
४.	गीता (अध्याय- ३)	१५

## बी. ए. पाठ्यक्रमः

(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

।।द्वितीयसत्रम्॥

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कां आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसंभाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति।।

क्र.सं.	विषया:	अङ्कः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम्/ संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषया:	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निमाङ्कितरूपेण वर्तते-

क्र.सं.	विषया:	अङ्कः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	पारिभाषिकम्	२५
३.	केनोपनिषद्	१५
४.	गीता (अध्याय- १८)	१५

## बी. ए. पाठ्यक्रमः

(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

॥ तृतीयसत्रम् ॥

- प्रत्येक सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्का आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसंभाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति।

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम् / संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयाः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते-

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	उणादिकोषः	२५
३.	कठोपनिषद्	२०
४.	गीता (अध्याय- १५)	१०

## बी. ए. पाठ्यक्रमः

(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

॥ चतुर्थसत्रम् ॥

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसम्बाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति ॥

क्र.सं.	विषयः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम् / संस्कृतसम्बाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते-

क्र.सं.	विषयः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	मुण्डकोपनिषद्	२५
३.	गीता (अध्याय- २)	३०

## बी. ए. पाठ्यक्रमः

(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

॥ पञ्चमसत्रम् ॥

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्का आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसंभाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति।

क्र.सं.	विषया:	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम् / संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषया:	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते—

क्र.सं.	विषया:	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	फिट्सूत्रम्	१५
३.	निघण्टुः	४०

## बी. ए. पाठ्यक्रमः

(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

॥ षष्ठसत्रम् ॥

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्का आहत्य १५० भविष्यन्ति ।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसंभाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति ॥

क्र.सं.	विषया:	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम् / संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषया:	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निमाङ्कितरूपेण वर्तते-

क्र.सं.	विषया:	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	लिङ्गानुशासनम्	२०
३.	गणपाठः	३५